S I Psy (H)

Date - 30-5-202

Dr. [illegible]
Deptt. of Psy
R.N.C. Pandaul.

Q. सीखने में अभिप्रेरणा के महत्व का वर्णन करें।

Ans. सीखने में अभिप्रेरणा का काफी महत्व है। मनुष्य जन्म से कुछ नई आवश्यकता लेकर पैदा न होकर सीखता रहता है। अभिप्रेरणा से सीखने की प्रक्रिया तीव्र गति से होने लगती है, क्योंकि अभिप्रेरणा की आवश्यकता मानव या पशु को सही अनुक्रिया करने के लिए एक तरह का आन्तरिक बल प्रदान करता है। मनोवैज्ञानिकों ने पशु सीखना में मुख्यतः जैविक अभिप्रेरकों जैसे - भूख, प्यास, काम, नींद आदि प्रभाव को अधिक महत्वपूर्ण बतलाया है, इन्हीं अभिप्रेरकों के कारण वे किसी अनुक्रिया को सीखते हैं। मानव सीखना में काफी अभिप्रेरक के प्रभाव का महत्व है, पशु सीखना में जैसे जैविक अभिप्रेरक का महत्व है उसी प्रकार मानव अभिप्रेरक में अर्जित अभिप्रेरक का काफी महत्व है, जैसे - पद, लिप्सा अच्छा पद पाना, समाज में अच्छा बनना ताकि उसे लोग प्रशंसनीय समझें, पैसा कमाना, इज्जत कमाना, शोहरत कमाना ये सब अर्जित अभिप्रेरक के गुण हैं। पशु सीखना से काफी महत्वे मानव सीखना का

विशेष महत्व है। इस प्रकार मानव
प्रतियोगिता और पशु प्रतियोगिता की कर्मठ
इस प्रकार अलग - अलग भी हो
सकते हैं - मानव प्रतियोगिता में आविष्कारों
का महत्व - समाज अधिक आवश्यक
के कारण ही अपनी जीवनशैली में
भिन्न भिन्न आवश्यकता किया अर्जित
उपलब्धि के कारण ही मनुष्य जीवनकाल
में बहुत तेज गति से आगे बढ़ पाता
है और वह काम करता रह पाता है
जीवन - एक विद्यार्थी रहता है और उसे
पढ़ने में काफी रुचि भी रहती है और
उसके मन में उसकी इच्छा होती है कि
मैं पढ़-लिखकर अच्छा पद पा सकूँ।
उसके लिए वह काफी मेहनत करता
है दिन - रात वह पढ़ाई में लगा
रहता है ताकि वह सफल पद पा सके
और उसके माता - पिता एक अच्छा
संतान भी बनी रहे। इस प्रकार जब तक
वह संघर्ष नहीं करेगा तब तक
वह सही जगह और निष्कर्ष पर
नहीं पहुँच पायेगा इसके लिए हमें
संकल्प करना होगा। जैसे - आपको
प्यास लगेगी और पानी पीने की
इच्छा होगी और पानी लाने के
लिए आपको कुँए के पास जाना
होगा जब तक आप कुँए के पास

नहीं जाएंगे तब तक उपाय अपनी ओर ध्यान नहीं खींचा जाएगा। इसी प्रकार (2) पुनः सीखने में अभिप्रेरणा का काफी महत्व है - वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोग प्रयोगों में देखा, कि चूहों का तीन समूह का लिया जिसे एक भूख हो तथा भूलभुलैया में प्रशिक्षित किया गया। चूहों का पहला समूह सीखा था जो दूसरा नहीं था और उसे भूलभुलैया में पहुँचने के बाद उसे भोजन भी नहीं दिया जाता था। चूहों का दूसरा समूह जो भूखा था परंतु प्रयोग समाप्त होने के बाद उसे भूलभुलैया में पहुँचने पर भी उसे भोजन नहीं दिया जाता था। तीसरा भूखा था तथा भूलभुलैया में पहुँचने के बाद उसे भोजन भी दिया जाता था, परिणाम में देखा गया कि तीसरा समूह जो भूखा था तथा उसे भोजन भी मिलता था अर्थात् देखा गया दोनों समूहों की अपेक्षा भूलभुलैया जल्दी प्रशिक्षित किया गया तथा उसे द्वितीय समूहों से त्रुटियाँ भी बहुत कम पायी जाती। परिणाम भी स्पष्ट रूप से देखा गया कि भूख अभिप्रेरक के माध्यम होने से चूहों द्वारा जल्दी प्रशिक्षित किया गया।

इस प्रकार प्राणी सीखना में अभिप्रेरणा अभिप्रेरक का काफी महत्व है और पुनः सीखने में अभिप्रेरणा का विशेष महत्व है।